

एसबीआईईपे: एसबीआई भारत का एकमात्र बैंक है जिसका अपना 'पेमेंट एग्रीगेटर सर्विसेज' (एसबीआईईपे) है, जिसे मार्च 2014 में लॉन्च किया गया था। अन्य बैंकों के विपरीत, जो निजी एग्रीगेटर की सेवाओं पर निर्भर करते हैं, एसबीआई के पास एक इन-हाउस एग्रीगेटर है, जो एसबीआई की अपनी पीजी सेवाओं के साथ मिलकर, एसबीआई को अन्य एग्रीगेटर्स और बैंकों की तुलना में अधिक सुरक्षा और अतिरिक्त लागत लाभ देता है। इसके अतिरिक्त, सरकारी व्यापारी निजी एग्रीगेटरों के मुकाबले एसबीआईईपे द्वारा अपने डेटा को संभालना पसंद करते हैं।

आपके बैंक ने केंद्र / राज्य सरकार के विभागों, विश्वविद्यालयों, धर्मार्थ ट्रस्टों, निजी व्यापारियों / संस्थानों सहित 1391 से अधिक व्यापारियों को ऑन-बोर्ड किया है। आपका बैंक आईएनबी लेनदेन के लिए 40 महत्वपूर्ण बैंकों के साथ एकीकृत है। यह वीजा, मास्टर और रूपे के डेबिट और क्रेडिट कार्ड के लिए एसबीआई पीजी का उपयोग करता है, और प्रीपेड कार्ड, सीधे एमेक्स और पे-पाल के साथ एकीकृत होता है। इसमें नकद और चेक (शाखा भुगतान), एनईएफटी तथा यूपीआई एवं यूपीआई तथा यूपीआई क्यूआर कोड भी भुगतान मोड के रूप में हैं। लिंक-आधारित भुगतान विकल्प को व्यापारियों के लिए वेबसाइट की आवश्यकता के बिना ऑनलाइन भुगतान स्वीकार करने के लिए रोल आउट किया गया है।

एसबीआईईपे पर मर्चेट ऑन-बोर्डिंग ने वित्त वर्ष 2021 में 199 व्यापारियों की तुलना में वित्त वर्ष 2022 में 346 व्यापारियों को ऑन-बोर्डिंग करके 73.87% की वर्षानुवर्ष वृद्धि दर्ज की। शुल्क आय में वर्षानुवर्ष वृद्धि वित्त वर्ष 2021 में 26.1 करोड़ रुपए से 70.71% बढ़कर वित्त वर्ष 2022 में 44.45 करोड़ रुपए हो गई। लेनदेन मूल्य में टर्नओवर में 55.30% की वर्षानुवर्ष वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें वित्त वर्ष 2022 में 84,934 करोड़ रुपए के लेनदेन की राशि थी जो वित्त वर्ष 2021 में 54,690 करोड़ रुपए थी।

एसबीआई ई-पे योजनाएं: भुगतान वॉलेट, चैनलों के साथ एकीकृत करके भुगतान विकल्पों को बढ़ाना।

- बड़े कॉर्पोरेट्स, निजी व्यापारियों और विश्वविद्यालयों को बड़े लेनदेन की मात्रा के साथ ऑन-बोर्डिंग।
- एकल एकीकरण के माध्यम से निरंतर व्यापार के लिए विशिष्ट पोर्टल / प्रौद्योगिकी सेवा प्रदाताओं के साथ एकीकृत करना।
- मर्चेट केवाईसी और ऑन-बोर्डिंग एग्रीमेंट के ऑनलाइन अपलोड के साथ एक व्यापारी

की डिजिटल ऑन-बोर्डिंग।

- व्यापारियों को डिजिटल रूप से ऑन-बोर्ड करते समय जीएसटीआईएन और पैन का सत्यापन

योनो बिजनेस

योनो बिजनेस एक एकीकृत प्लेटफॉर्म है (मोबाइल ऐप और डेस्कटॉप दोनों पर उपलब्ध) जो बैंकिंग जरूरतों की एक पूरी श्रृंखला को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है- व्यापार वित्त, विदेशी मुद्रा, नकद प्रबंधन, इंटरनेट बैंकिंग और आपूर्ति-श्रृंखला वित्त जो सभी श्रेणियों में कॉर्पोरेट ग्राहकों के लिए सबसे बड़े उभरते स्टार्ट-अप समूह के लिए है।

- **योनो बी प्लेटफॉर्म को अपनाना:** 17.53 लाख कॉर्पोरेट उपयोगकर्ताओं ने 31 मार्च 2022 तक योनो बिजनेस का उपयोग किया है और यह संख्या हर दिन बढ़ रही है।
- **ग्राहक ऑनबोर्डिंग:** 1,39,413 नए डिजिटल ग्राहक योनो बिजनेस पोर्टल के माध्यम से 31 मार्च 2022 तक ऑनबोर्डिंग कर रहे थे।
- **आयात एनसी:** 1,39,413 नए डिजिटल ग्राहक योनो बिजनेस पोर्टल के माध्यम से 31 मार्च 2022 तक ऑनबोर्डिंग कर रहे थे।
- **विदेशी मुद्रा दर बुकिंग:** 31 मार्च 2022 तक 23,618 लेनदेन के साथ 23,602 करोड़ रुपए से अधिक की विदेशी मुद्रा बुकिंग की सुविधा प्रदान की गई।
- **पीएबीएल/पीएबीएल-पीओएस:** 31 मार्च 2022 तक, पूर्व-स्वीकृत व्यापार ऋण (पीएबीएल) में से 551.92 करोड़ रुपए के 13,372 पीएबीएल/पीएबीएल-पीओएस खोले गए।
- **योनो बी मोबाइल ऐप एडॉप्शन:** 31 मार्च 2022 तक योनो बी मोबाइल ऐप का पंजीकृत उपयोगकर्ता आधार 6.19 लाख है। 1 जुलाई 2020 (लॉन्च की तारीख) से कुल डाउनलोड 20.01 लाख हैं।
- **चालू खाता खोलना:** 31 मार्च 2022 तक ऑनलाइन अनुरोध की सुविधा के साथ 1,01,248 चालू खाते खोले गए।
- **एपीआई बैंकिंग:** एपीआई सैंडबॉक्स परिवेश तैयार किया गया है जहां ग्राहक सैंडबॉक्स में खोज कर सकते हैं और यूएटी और उत्पादन के लिए सदस्यता ले सकते हैं। एपीआई ग्राहक के ईआरपी से बैंक के सीबीएस में भुगतान योनो बिजनेस के माध्यम से पोस्टिंग करने में सक्षम बनाता है। दो प्रकार के एपीआई भुगतान उपलब्ध हैं: एसटीपी (प्रत्यक्ष पोस्टिंग) और गैर-एसटीपी (ग्राहक के ईआरपी से शुरू किया

गया अनुरोध और योनो बिजनेस में कॉर्पोरेट के चेकर द्वारा अनुमोदित)।

6. कॉर्पोरेट बैंकिंग

क. कॉर्पोरेट लेखा समूह (कैंग)

कॉर्पोरेट लेखा समूह (कैंग) आपके बैंक की एक समर्पित व्यवसाय इकाई है। यह एसबीआई के 'उच्च मूल्य वाले क्रेडिट' पोर्टफोलियो को एक विशेषीकृत और कुशल वितरण प्लेटफॉर्म के रूप में संभालता है। सीएजी बीयू की भारत के शीर्ष तीन वाणिज्यिक केंद्रों अर्थात् मुंबई (2), दिल्ली (1) और चेन्नई (1) में स्थित महाप्रबंधकों की अध्यक्षता में चार विशेष शाखाएं हैं।

एसबीआई में, कैंग बीयू एक एकीकृत सेवा प्रदाता है जो विशेष रूप से शीर्ष अंकीय कॉर्पोरेट्स को वित्तीय उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है, जिसमें उनके विदेशी सहयोगी और सहायक कंपनियां शामिल हैं। सीएजी बीयू का व्यवसाय मॉडल संबंध प्रबंधन अवधारणा पर आधारित है, और प्रत्येक ग्राहक / व्यवसाय समूह को एक संबंध प्रबंधक के लिए मैप किया जाता है जो अत्यधिक कुशल क्रेडिट और संचालन कार्यकर्ताओं से मिलकर एक बहुविध सेवा टीम का नेतृत्व करता है।

संबंध रणनीति ग्राहकों को एकीकृत और व्यापक समाधान प्रदान करने के लिए रखा जाता है, जिसमें एक निर्दिष्ट समय सीमा के भीतर पूर्व-निर्धारित उत्पाद प्रदान करना शामिल है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य एसबीआई को शीर्ष कॉर्पोरेट्स की पहली पसंद बनाना है। वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा प्रत्येक कॉर्पोरेट संबंध प्रबंधकों की नियमित समीक्षा सीएजी बीयू में संबंध प्रबंधन के लिए बेंचमार्क निर्धारित करती है।

विभिन्न मुख्य क्रेडिट उत्पादों के अलावा, सीएजी बीयू अन्य एसबीयू और एसबीआई की सहायक कंपनियों जैसे एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड और एसबीआई गिल्ट्स लिमिटेड के सहयोग से ग्राहक-विशिष्ट उत्पादों जैसे नकद प्रबंधन उत्पाद, ट्रेजरी और विदेशी मुद्रा उत्पादों और मर्चेट बैंकिंग उत्पादों की एक श्रृंखला प्रदान करता है।

सीएजी शाखाओं में ग्राहक सेवा दल नीचे सूचीबद्ध एसबीआई के सहयोगियों और सहायक कंपनियों द्वारा पेश किए गए विभिन्न प्रकार के उत्पादों और सेवाओं के चयन और वितरण में ग्राहकों की सहायता भी करते हैं:

- पूंजी बाजार आवश्यकताओं के लिए - एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (एसबीआईकैप)
- ट्रेजरी और निवेश के लिए- एसबीआई गिल्ट्स लि और एसबीआईकैप सिक्योरिटीज लि

- निवेश के लिए - एसबीआई म्यूचुअल फंड लि
- सामान्य और जीवन बीमा के लिए - एसबीआई जेनरल इश्योरंस कंपनी लि. और एसबीआई लाइफ इश्योरंस कं लि
- प्राप्य फैक्टरिंग के लिए - एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स लि.
- कस्टोडियल सर्विसेज बैंकिंग- विदेशी (एफआईआई, एफपीआई, एफवीसीआई) और घरेलू संस्थागत ग्राहकों के लिए - एसबीआई सोसाइटी जनरल ग्लोबल सिन्क्योरिटीज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड

बदलते बैंकिंग परिदृश्य के साथ समायोजित करने के लिए, आपके बैंक ने कैग बीयू के भीतर दो विशेष इकाइयों का निर्माण किया है:

कॉर्पोरेट समाधान समूह (सीएसजी) - महत्वपूर्ण क्षेत्रों, अर्थात् एफएमसीजी, ऑटो, एग्री, फार्मा और आईटी में कॉर्पोरेट ग्राहकों की 360 डिग्री बैंकिंग आवश्यकताओं को देखते हुए, अपने पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को कवर करने के लिए और मौजूदा और साथ ही नए बैंक ग्राहकों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए।

वित्तीय संस्थान समूह (एफआईजी)- बीमा कंपनियों, ब्रोकरेज फर्मों, बैंकों (निजी और विदेशी), म्यूचुअल फंड, एफडीआई और एफपीआई संस्थाओं जैसे वित्तीय संस्थानों की क्रेडिट, लेनदेन, सामान्य बैंकिंग और गैर-बैंकिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए।

31 मार्च, 2021 को 5.42 लाख करोड़ रुपए (फंड आधारित - 3.61 लाख करोड़ रुपए और गैर-फंड आधारित - 1.81 लाख करोड़ रुपए) के कुल ऋण पोर्टफोलियो की तुलना में 31 मार्च, 2022 तक सीएसजी बीयू का कुल ऋण पोर्टफोलियो 6.18 लाख करोड़ रुपए (फंड आधारित - 4.02 लाख करोड़ रुपए और गैर-फंड आधारित - 2.16 लाख करोड़ रुपए) था। वित्त वर्ष 2022 की दूसरी छमाही में ऋण की मांग में तेजी आई है, जिसके परिणामस्वरूप CAG BU में 0.76 लाख करोड़ रुपए की शुद्ध ऋण वृद्धि हुई है। देश के प्रमुख शीर्ष कॉर्पोरेट्स और नवरत्न पीएसयू बैंक बीयू के सम्मानित ग्राहक हैं।

ख. राजकोषीय परिचालन

वैश्विक बाजार आपके बैंक के घरेलू राजकोषीय परिचालन संपन्न करता है और वह अपेक्षित जोखिम-समायोजित प्रतिलाभ प्राप्त करने के लिए अधिशेष निधियों का नियोजन बाजार में करने के लिए जिम्मेदार है। वैश्विक बाजार के संविभाग में एसएलआर (सांविधिक तरलता अनुपात) और गैर-एसएलआर प्रतिभूतियों में निवेश, सार्वजनिक रूप से बेचे जाने वाली इक्विटियों, उद्यम पूंजी निधियों, निजी

इक्विटी एवं कार्यनीतिक निवेश शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, वह ऐसे बहुविध उत्पाद और सेवाएँ देता है जिससे ग्राहकों की विदेशी मुद्रा की जरूरतों की पूर्ति होती है।।

ब्याज दर उतार-चढ़ाव और एसएलआर और गैर - एसएलआर पोर्टफोलियो

वैश्विक बाजार आपके बैंक के घरेलू निवेश संविभाग का प्रबंधन करता है और सीआरआर (नकद आरक्षित अनुपात) और एसएलआर (सांविधिक तरलता अनुपात) की विनियामक अपेक्षाओं की पूर्ति करता है। दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं और वित्तीय बाजारों पर कोविड -19 महामारी का बड़े पैमाने पर प्रभाव जारी रहा और भू-राजनीतिक तनावों ने बाजार की धारणा को और बिगाड़ दिया है।

मुख्य रूप से वस्तुओं की बढ़ी हुई कीमतों और आपूर्ति श्रृंखला / रसद व्यवधानों के कारण वैश्विक मुद्रास्फीति में वृद्धि वित्त वर्ष 2021-22 की मुख्य विशेषताओं में से एक रहा है। भारत में, सीपीआई पूरे वर्ष आरबीआई के 4% के लक्ष्य से ऊपर बना रहा और पिछले कुछ महीनों में लगातार 6% से ऊपर बढ़ता रहा है, जिसका मुख्य कारण कच्चे तेल, खाद्य तेल की कीमतों और अन्य वस्तुओं की कीमतों पर ऊपर की ओर वृद्धि का दबाव रहा है।

वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान, आरबीआई ने आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न मौद्रिक उपाय करना जारी रखा। वर्ष की पहली छमाही के दौरान सरकार के बड़े उधार कार्यक्रम को सुगम बनाने के लिए, आरबीआई ने जी-सेक एक्विजिशन प्रोग्राम (जी-एसएपी) की शुरुआत की। आरबीआई ने अपरंपरागत उपायों जैसे कि लघु वित्त बैंकों के लिए लक्षित दीर्घकालिक रेपो संचालन (टीएलटीआरओ), अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों (एआईएफआई) के लिए तरलता सुविधा, असंयमित खुले बाजार संचालन (ओएमओ), प्रतिभूतियों की एक साथ बिक्री और खरीद आदि को भी जारी रखा। बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त तरलता के साथ मार्च 2021 से सीआरआर आवश्यकताओं में पहले की छूट को धीरे-धीरे वापस ले लिया गया। 31 दिसंबर 2021 तक सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) के तहत निवल मांग और सावधि देयताओं (एनडीटीएल) के अतिरिक्त एक प्रतिशत तक सांविधिक तरलता अनुपात (एसएलआर) में कमी करके, यानी एनडीटीएल के 3 प्रतिशत तक की छूट भी उपलब्ध कराई गई थी। आरबीआई ने स्थायी और तात्कालिक तरलता का प्रबंधन करने के लिए संशोधित चलनिधि प्रबंधन संरचना के तहत विभिन्न अवधि के परिवर्तनीय दर प्रतिवर्ती रेपो भी लागू किए।

वित्त वर्ष 2022-23 में राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 6.40% रहने का अनुमान

है, जबकि वित्त वर्ष 2021-22 में यह 6.90% (संशोधित अनुमान) था। केंद्र ने 12.50 लाख करोड़ के रुपए की बाजार अपेक्षा के सामने रुपए 14.31 लाख करोड़ रुपए की बाजार सकल ऋण की घोषणा की जिसके परिणामस्वरूप बॉन्ड यील्ड में तेजी से वृद्धि हुई। प्रमुख केंद्रीय बैंकों द्वारा मौद्रिक और तरलता नीति को सख्त करने के बाद, मुद्रास्फीति में वृद्धि के साथ, भारतीय 10-वर्षीय बेंचमार्क बॉन्ड यील्ड 31 मार्च 2022 को 6.84% पर बंद हुआ।

आपके बैंक ने बड़ी सज़ाबूझ के साथ अतिरिक्त चलनिधि स्थिति का प्रबंधन किया है और चलनिधि में अपेक्षित मितव्ययिता को संभालने की अच्छी स्थिति में है। आपके बैंक ने प्रतिफल में वृद्धि के लिए कम ब्याज दर को नियंत्रण में रखते हुए उच्च गुणवत्ता वाले कॉरपोरेट बॉन्ड और सरकारी प्रतिभूतियों के मिश्रण में निवेश किया है।

इक्विटी बाजार

वैश्विक और घरेलू केंद्रीय बैंक की तरलता और कोविड -19 की दूसरी लहर से तेज आर्थिक सुधार ने हमारे इक्विटी बाजार को वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में वैश्विक सूचकांक से बेहतर निष्पादन करने में मदद की। हालांकि, वर्ष की दूसरी छमाही में इक्विटी में सुधार हुआ क्योंकि बाजार सहभागियों ने मुद्रास्फीति के दबाव, वस्तुओं की कीमतों, विकास में मंदी, एफईडी के दर वृद्धि और भू-राजनीतिक तनावों का अनुमान लगा लिया था। भारतीय इक्विटियों ने चालू वित्त वर्ष में अच्छा प्रतिफल दिया, निफ्टी 50 इंडेक्स ने वर्ष-दर-वर्ष लाभ 18.88% दर्ज किया और सात वर्षों में दूसरे सबसे अच्छे प्रतिफल के साथ वर्ष समाप्त हुआ था। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान घरेलू बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स निफ्टी 50 ने 18,604 के उच्च और 14,151 के निचले स्तर के बीच कारोबार किया।

आपके बैंक ने बाजार की गति के अनुसार निवेश बुक पर विचार करते हुए, इक्विटी बाजार की तेजी में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस वर्ष भी नए युग की टेक कंपनियों सहित आईपीओ की झड़ों लग गईं, जिसमें मजबूत लिस्टिंग का लाभ मिला। InvTs और REITs सहित प्राथमिक बाजारों में आपके बैंक की सक्रिय भागीदारी बहुत उपयोगी साबित हुई है, जिससे उच्च प्रतिलाभ प्राप्त हुआ है। आपका बैंक मजबूत जोखिम समायोजित प्रतिलाभ प्राप्त करने की दिशा में घरेलू और वैश्विक परिघटनाओं पर नजर रखते हुए बाजार की गतिविधियों के अनुसार बही को पुनः व्यवस्थित करके इक्विटी पोर्टफोलियो का प्रबंधन जारी रखा हुआ है।

निजी इक्विटी/ जोखिम पूंजी निधि

आपका बैंक वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान वैकल्पिक निवेश क्षेत्र में सक्रिय भागीदार रहा

है और प्रत्यक्ष इक्विटी भागीदारी के माध्यम से भी स्टार्ट-अप की सहायता की है। वर्ष के दौरान, आपके बैंक ने निजी इक्विटी/वैकल्पिक निवेश कोष में 1,500 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश को मंजूरी दी।

विदेशी मुद्रा बाजार

वैश्विक बाजार आपके बैंक के विदेशी मुद्रा कारोबार को संभालता है, ग्राहकों को उनके मुद्रा प्रवाह के प्रबंधन हेतु समाधान प्रदान करता है और बाजार को तरलता प्रदान करने के अतिरिक्त, विकल्प, स्वैप और फॉरवर्ड के माध्यम से जोखिमों से बचाव करता है। आपका बैंक यूएसडी-रुपया स्पॉट और यूएसडी-रुपया फॉरवर्ड बाजारों में अग्रणी प्रतिभागी है और व्यापारी विदेशी मुद्रा प्रवाह में उच्च बाजार हिस्सेदारी रखता है। आपका बैंक सीसीआईएल एफएक्स क्लियर प्लेटफॉर्म में तरलता प्रदान करने में सबसे आगे है। करेंसी फ्यूचर्स में ट्रेड किया गया वॉल्यूम आपके बैंक को एक्सचेंज हाउस के प्रमुख क्लाइंट बैंकों की श्रेणी में रखता है। आपका बैंक सीसीआईएल द्वारा शुरू किए गए एफएक्स-रिटेल प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रूप से ग्राहकों को शामिल कर रहा है, जिसके माध्यम से ग्राहक पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण से लाभान्वित होंगे। आपके बैंक ने ग्राहकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एफएक्स-ऑल और ई-फॉरेक्स ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराए हैं।

पिछले वर्ष, आरबीआई ने भारतीय बैंकों को अपतटीय यूएसडी-रुपया बाजारों में भाग लेने की अनुमति दी थी, जिसे एनडीएफ बाजार या नॉन-डिलिवरेबल डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स (एनडीसीसी) के रूप में भी जाना जाता है। तदनुसार, आपके बैंक ने अपतटीय यूएसडी-रुपया बाजार में भाग लेना प्रारंभ कर दिया है और उस बाजार का एक प्रमुख प्रतिभागी है। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान भारत के व्यापारिक लेनदेन की मात्रा में वर्ष-दर-वर्ष 49.80% की मजबूत वृद्धि देखी गई, जिसके परिणामस्वरूप आपके बैंक के लिए मर्चेंट वॉल्यूम में भी सुधार हुआ है।

(वायदा कारोबार) डेरिवेटिव्स

आपका बैंक वर्तमान में ओवर द काउंटर (ओटीसी) ब्याज दर और मुद्रा डेरिवेटिव्स के साथ-साथ एक्सचेंज-ट्रेडेड करेंसी डेरिवेटिव्स और ब्याज दर फ्यूचर्स में डील करता है। आपके बैंक द्वारा कारोबार किए जाने वाले ब्याज दर डेरिवेटिव में रुपया ब्याज दर स्वैप (ओआईएस), रुपया ब्याज दर फ्यूचर्स (आईआरएफ), विदेशी मुद्रा ब्याज दर स्वैप (आईआरएस), विदेशी मुद्रा से रुपया ब्याज दर स्वैप (एमआईएफओआर), फॉरवर्ड रेट एग्रीमेंट (एफआरए), कैप्स, फ्लोर और कॉलर हैं। आपके बैंक द्वारा निपटाए गए मुद्रा डेरिवेटिव्स क्रॉस करेंसी स्वैप (सीसीएस),

यूएसडी/आईएनआर विकल्प और क्रॉस करेंसी विकल्प हैं। आपके बैंक के ग्राहकों को ये उत्पाद और उनके अनुकूलित संस्करण ब्याज दर और विदेशी मुद्रा एक्सपोजर को हेज करने के लिए पेश किए जाते हैं। आपके बैंक द्वारा डेरिवेटिव का उपयोग व्यापार के साथ-साथ बैलेंस शीट हेजिंग उद्देश्यों के लिए भी किया जाता है।

आपके बैंक ने सभी लिबोर सेटिंग्स के लिए लिबोर से वैकल्पिक संदर्भ दरों (एआरआर) में परिवर्तन को सुचारु रूप से पूरा कर लिया है, जिन्हें 31 दिसंबर 2021 से चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर दिया गया है। पिछले कुछ महीनों से, आपका बैंक हमारे ग्राहकों को संक्रमण के बारे में लगातार जागरूक कर रहा है और 1 जनवरी 2022 से एआरआर आधारित उत्पाद जैसे एफसीएनआर (बी) ऋण, पीसीएफसी/ईबीआर ऋण और डेरिवेटिव उत्पाद शुरू किए हैं।

डेरिवेटिव्स लेनदेन में बाजार जोखिम होता है, अर्थात् ब्याज दरों/विनिमय दरों में प्रतिकूल उतार-चढ़ाव के परिणामस्वरूप आपके बैंक को संभावित नुकसान हो सकता है। इसमें ऋण जोखिम भी होता है, यानी सामने वाला पक्ष अपने दायित्वों को पूरा करने में विफल रहते हैं तो आपके बैंक को संभावित नुकसान हो सकता है। बोर्ड द्वारा अनुमोदित आपके बैंक की "डेरिवेटिव्स नीति" डेरिवेटिव्स लेनदेन करने के लिए बाजार जोखिम मानदंड (अन्य के साथ-साथ ग्रीक लिमिट, लॉस लिमिट, कट-लॉस ट्रिगर, खुली स्थिति सीमा, अवधि, संशोधित अवधि, पीवी01) और ग्राहक पात्रता मानदंड (ऋण रेटिंग, संस्वीकृति सीमाएं एवं ग्राहक उपयुक्तता नीति के अनुसार सीएस रेटिंग) निर्धारित करती है। अंतर बैंक प्रतिपक्षों

ने जोखिम की निगरानी इस प्रयोजन के लिए निर्धारित सीमाओं के माध्यम से की जाती है। इन प्रतिपक्षों को हमारे साथ आइएसडीए भी निष्पादित किया है।

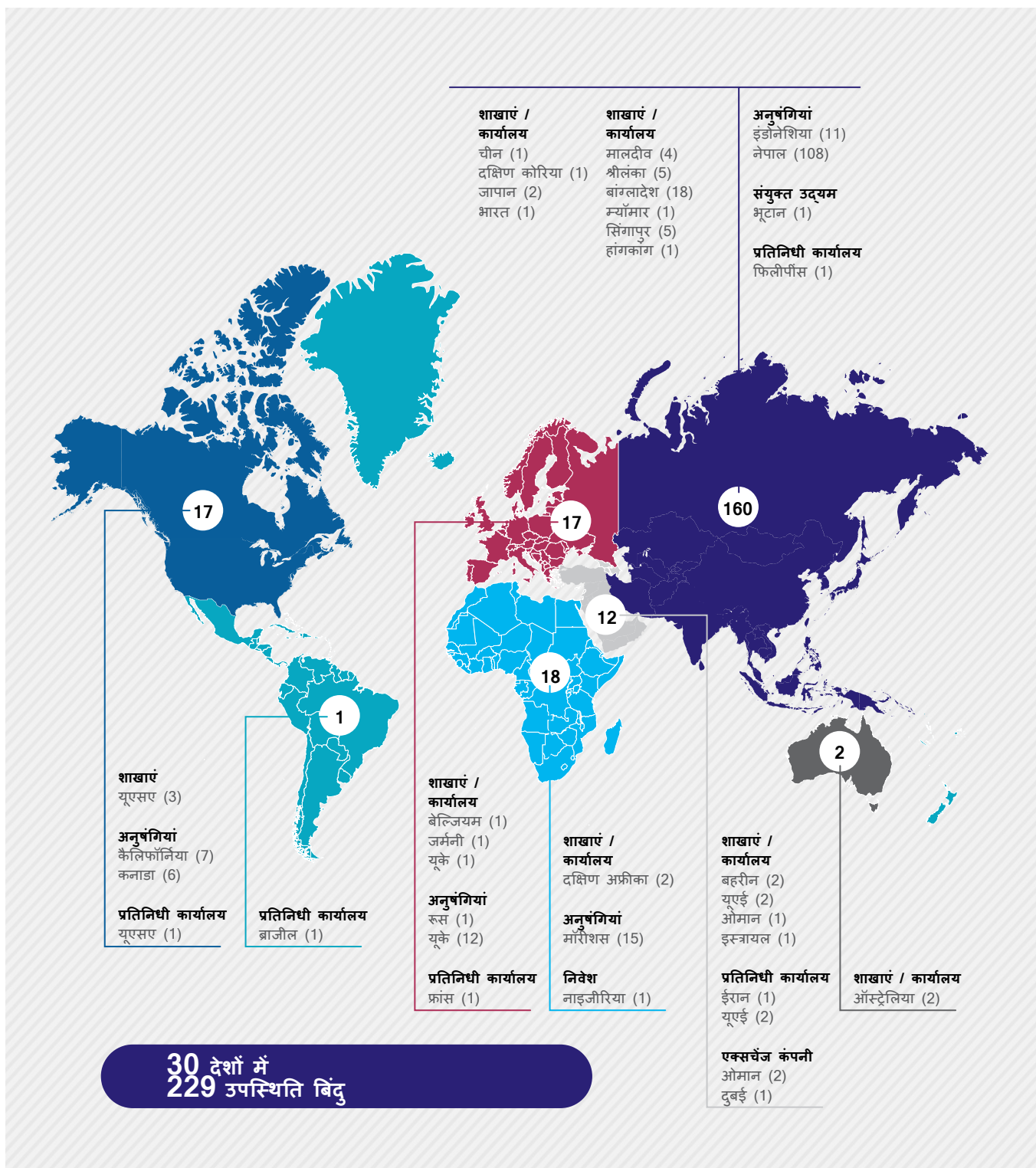
विभिन्न प्रकार के जोखिमों की निगरानी के लिए आपके बैंक में विभिन्न समितियां और विभाग हैं। आस्ति देयता प्रबंधन समिति (एल्को) कुशल चलनिधि प्रबंधन की निगरानी करती है। बाजार जोखिम प्रबंधन विभाग (एमआरएमडी) डेरिवेटिव्स लेनदेन से जुड़े बाजार जोखिमों की पहचान, उपाय और निगरानी करता है। यह विभाग इन जोखिमों के नियंत्रण और प्रबंधन में भी आस्ति देयता और प्रबंधन समिति की सहायता करता है और नियमित अंतराल पर बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी) को निर्धारित नीति के अनुपालन की रिपोर्ट करता है।

डेरिवेटिव के लेखांकन की नीति आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार तैयार की गई है।

ग. अंतर्राष्ट्रीय परिचालन

सही मायने में अंतर्राष्ट्रीय बैंक बनने के अपने प्रयास में, आपके बैंक का ध्यान विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में फैले भारतीय प्रवासियों और वैश्विक भारतीय कंपनियों का समर्थन करने के लिए भारत आधारित व्यवसाय के साथ विदेशी स्थानीय बाजारों में अपनी पैठ बढ़ाने के लिए फिर से संगठित किया गया है। आपके बैंक के विदेशी परिचालनों का प्रबन्धन एक अलग व्यापार इकाई द्वारा किया जाता है - अन्तर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह (आईबीजी) जिसकी अध्यक्षता उप प्रबंध निदेशक (आईबीजी) द्वारा की जाती है और इसकी देखरेख एमडी (आईबी, टीएंडएस) द्वारा की जाती है।

विदेश स्थित बैंकिंग अनुषंगियां/ संयुक्त उद्यम	शेयरधारिता (%)
अनुषंगियां	
भारतीय स्टेट बैंक (कैलिफोर्निया)	100.00
एसबीआई कनाडा बैंक	100.00
भारतीय स्टेट बैंक (यूके) लिमिटेड	100.00
कमर्शियल इंडो बैंक एलएलसी	60.00
एसबीआई(मॉरिशस) लिमिटेड	96.60
बैंक एसबीआई इंडोनेशिया	99.34
नेपाल एसबीआई बैंक लिमिटेड	55.00
विदेशी गैर-बैंकिंग अनुषंगियां	
एसबीआई सर्विकोस लिमिटाडा, ब्राजील	99.99
संयुक्त उद्यम	
बैंक ऑफ भूटान लिमिटेड	20.00



वैश्विक उपस्थिति: बैंक की पहली वैश्विक उपस्थिति जुलाई 1864 में कोलंबो, श्री लंका में बैंक ऑफ मद्रास की शाखा (भारतीय बैंकों में प्रथम) के साथ दर्ज हुई। 30 देशों में 227

कार्यालयों के माध्यम से सभी समय क्षेत्रों में उपस्थिति के साथ, भारतीय स्टेट बैंक धीरे-धीरे दुनिया भर में अपने पंख फैला चुका है और

भारतीय पीएसबी के बीच अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग में अग्रणी बन गया है। एसबीआई के विदेशी कार्यालयों का प्रबंधन आईबीजी द्वारा किया जा रहा है।

वित्त वर्ष 22 के दौरान, आपके बैंक ने अभीष्ट प्रदर्शन न करने वाले कार्यालयों को तर्कसंगत बनाकर अपने विदेशी संचालन को मजबूत करना जारी रखा जिससे लागत क्षमता में सुधार हो सके। बैंक ने एक विदेशी अनुषंगी-बैंक एसबीआई बोत्सवाना लिमिटेड को बंद कर दिया है और इसकी सहायक-एसबीआई यूके लिमिटेड की इलफोर्ड शाखा का ईस्ट हैम शाखा में विलय कर दिया गया है। इस अवधि के दौरान, आपके बैंक ने कोविड 19 महामारी के कारण समेकन और मौजूदा वैश्विक परिदृश्य पर ध्यान केंद्रित करने के कारण नई शाखाएं / कार्यालय नहीं खोले हैं। कुल मिलाकर आईबीजी में वित्त वर्ष 2022 के अंत में 55 शाखाओं / कार्यालयों के साथ 227 कार्यालय थे, 161 शाखाओं / कार्यालयों के साथ 8 सहायक कंपनियां थीं, साथ ही 6 प्रतिनिधि कार्यालय और 5 प्रबंधित एक्सचेंज जेवी/ एसोसिएट्स थे।

महामारी के दौरान बैंक की प्रतिबद्धता : आपके बैंक ने कोविड महामारी के नए रूपों के कारण आने वाली विषम चुनौतियों के बावजूद अपने व्यापार की मात्रा को बढ़ा करके विदेशी भौगोलिक क्षेत्रों में अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करना जारी रखा है।

आईबीजी ने अपने दायित्व आधार में विविधता लाकर विभिन्न कम लागत वाले विकल्पों के साथ अपने उच्च लागत वाले संसाधनों को प्रतिस्थापित करके बाजार में तरलता की कमी को देखते हुए संसाधनों की अपनी लागत को अनुकूलित करने के लिए अच्छी तरह से समायोजित किया है। इसने खुदरा जमा में वृद्धि के लिए अपने डिजिटल मूल्य वर्धित उत्पाद एसबीआई योनो को नए भौगोलिक प्रदेशों में लांच किया है जिससे संपर्क रहित उत्पाद से इसका प्रसार बढ़ सके।

विभिन्न महामारी संबंधी चुनौतियों के बावजूद, आईबीजी ने संपत्ति की गुणवत्ता को बनाए रखते हुए, वर्ष के दौरान अपने विदेशी क्रेडिट पोर्टफोलियो (15% से अधिक) में अच्छी वृद्धि दर्ज करके व्यवसाय पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। सावधानीपूर्वक क्रेडिट निगरानी के अलावा, आईबीजी परिसंपत्ति गुणवत्ता में और गिरावट के कारण नुकसान की संभावना को कम करने के लिए तनाव के संकेत दिखाते हुए परिसंपत्तियों के प्रबंधन में सतर्क रहा है। इसके अलावा, इसने मौजूदा संबंधों को सुदृढ़ करने और नए संबंध बनाने के लिए निर्यातकों, बैंकों आदि के साथ विभिन्न लोकसंपर्क पहलों के माध्यम से ग्राहकों के साथ अपना जुड़ाव बनाए रखा है।

आईबीजी ने क्रय-विक्रय अनुपात (स्प्रेड) कम होने और ऋण वृद्धि की चुनौतियों के बावजूद अपनी लाभप्रदता बनाए रखी है। इसने साल-दर-साल आधार पर निवल ब्याज आय, गैर-ब्याज आय, परिचालन लाभ आदि जैसे महत्वपूर्ण मापदंडों में उल्लेखनीय सुधार प्रदर्शित किया

है। यह अपनी लाभप्रदता को बढ़ाने के लिए मर्चेट बैंकिंग, प्राप्य वित्त आदि जैसी नई आय धाराओं का लाभ उठाना जारी रखे हुए है।

आईबीजी के विशिष्ट विभागों ने विभिन्न मोर्चों पर योगदान देकर गति को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है:

क्रेडिट योगदान: बिजनेस ड्राइवर: जबकि आपका बैंक अन्य भारतीय और विदेशी बैंकों के संयोजन के साथ सिंडिकेटेड सौदों के माध्यम से और द्विपक्षीय व्यवस्था के माध्यम से ईसीबी के द्वारा विदेशी मुद्रा में ऋण की व्यवस्था करके, अपनी वैश्विक विकास रणनीति में भारतीय कॉरपोरेट्स का एक सक्रिय भागीदार है, यह स्थानीय/वैश्विक बैंकों के साथ भागीदारी करके स्थानीय ऋण में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है। आपके बैंक ने 31.03.2022 तक भारतीय कॉरपोरेट्स को 7.69 बिलियन अमरीकी डॉलर और विदेशी संस्थाओं को 16.72 बिलियन अमरीकी डॉलर का विदेशी मुद्रा ऋण स्वीकृत किया।

संवहनीयता: हमारे विदेशी कार्यालयों ने 1 बिलियन अमरीकी डॉलर की सीमा तक संवहनीयता से जुड़े मूल्य निर्धारण वाली क्रेडिट सुविधाओं में भाग लिया है।

व्यापार वित्त: आपका बैंक भारत और विदेशों में सभी समय क्षेत्रों में संचालित व्यापक, सुसज्जित शाखा नेटवर्क के माध्यम से निर्यातकों और आयातकों को व्यापार वित्त उत्पादों और सेवाओं की श्रृंखला उपलब्ध कराता है। आईबीजी के वैश्विक व्यापार विभाग (जीटीडी) का उद्देश्य व्यापार वित्त पोर्टफोलियो के व्यवस्थित विकास के लिए हमारे विदेशी कार्यालयों (एफओ) का सहयोग करना है, बाजार की मांग और बदलते नियामक मानदंडों के अनुसार एफओ के लिए नीतियां और नए उत्पाद तैयार करना है।

जीटीडी भारतीय कॉरपोरेट्स को बोली प्रक्रिया के केंद्रीकृत हैंडलिंग द्वारा उनके आयात के लिए व्यापार क्रेडिट की सुविधा प्रदान करता है और अधिकतम लाभ के लिए घरेलू और विदेशी कार्यालयों के बीच व्यापार प्रवाह के तालमेल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह व्यापार निकायों जैसे बीएएफटी (बैंकर्स एसोसिएशन फॉर फाइनेंस एंड ट्रेड), जीटीआर (ग्लोबल ट्रेड रिव्यू) आदि के साथ साझेदारी करके व्यापार संबंधी कार्यशालाओं/सम्मेलनों का भी आयोजन करता है। निर्यातकों/नियामकों/उद्योग की बड़ी कंपनियों के साथ नेटवर्किंग के लिए मंच प्रदान करने के लिए आईसीसी, एफआईईओ आदि के साथ साझेदारी करके कार्यशालाएं भी आयोजित की जाती हैं।

व्यापार वित्त व्यापार पोर्टफोलियो आईबीजी अग्रिम पोर्टफोलियो का ~ 31% हिस्सा है। ग्लोबल फाइनेंस मैगजीन द्वारा एसबीआई को लगातार दसवें वर्ष "बेस्ट ट्रेड फाइनेंस

प्रोवाइडर(इंडिया)-2022" से सम्मानित किया गया है।

विदेशी ट्रेजरी प्रबंधन: अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह में ट्रेजरी मैनेजमेंट ग्रुप(टीएमजी) विदेशी कार्यालयों के लिए निम्नलिखित कार्य करता है:

- तरलता प्रबंधन
- डीलिंग रूम ऑपरेशंस
- निवेश

टीएमजी-आईबीजी आईबीजी के समय तरलता पोर्टफोलियो का प्रबंधन करता है और एएलएम अनुपात पर भी नजर रखता है। टीएमजी बॉन्ड जारी करने (एमटीएन/स्टैंडअलोन 144ए), सिंडिकेटेड लोन आदि के माध्यम से दीर्घकालिक और मध्यम अवधि के फंड जुटाने के लिए नोडल विभाग है। इसके अलावा, टीएमजी संसाधनों की लागत को नियंत्रण में रखने के लिए उधार के विभिन्न साधनों का भी उपयोग करता है। वित्त वर्ष के दौरान, संसाधनों की लागत को अनुकूलित करने के लिए, टीएमजी ने कुछ उच्च लागत वाली उधार का पूर्व भुगतान किया है और उन्हें कम लागत वाले निधियों के साथ बदल दिया है। टीएमजी प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण पर विदेशी मुद्रा वित्त/पुनर्वित्त की व्यवस्था करने में बहुपक्षीय/अधिराष्ट्रिक (सुप्रानेशनल) संस्थाओं के साथ सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है।

वित्तीय वर्ष 22 के दौरान, बैंक ने जनवरी 2022 में अब तक के सबसे ऊंचे मूल्य पर किसी भी भारतीय बैंक द्वारा जारी किए गए 5 साल के बांड के लिए 300 मियों के फॉर्मोसा बांड जारी किए हैं। यह भारत में किसी भी वाणिज्यिक बैंक द्वारा जारी किया जाने वाला पहला फॉर्मोसा भी था।

टीएमजी बैंक के विदेशी परिचालनों के निवेश खाते का प्रबंधन भी करता है, जो वर्तमान में ~ 7.06 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। ये निवेश आईबीजी के लिए स्थिर ब्याज आय प्रदान करते हैं और तरलता अनुपात को बनाए रखने में भी मदद करते हैं। विभाग प्रमुख केंद्रों पर डीलिंग रूम की निगरानी और मार्गदर्शन भी करता है, और एफओ में मुद्रा बाजार, विदेशी मुद्रा और व्युत्पन्न कार्यों की सुविधा प्रदान करता है।

वर्तमान में लंदन, न्यूयॉर्क, हांगकांग, बहरीन और आईएफएससी गिफ्ट सिटी में पांच प्रमुख डीलिंग रूम हैं, जो छोटे विदेशी कार्यालयों को उनके संचालन में मदद करने के लिए हब और स्पोक मॉडल पर काम करते हैं। आपका बैंक आईबीजी गिफ्ट सिटी को एक अन्य धन उगाहने वाले केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए भी काम कर रहा है। वित्त वर्ष 22 में, आपके बैंक ने पिछले वित्त वर्ष के दौरान शुरू किए गए हांगकांग, सिंगापुर और आईएफएससी बीयू (गांधीनगर) के माध्यम से रुपया नॉन-डिलीवरेबल फॉरवर्ड्स (एनडीएफ) में व्यापार

का विस्तार किया है और इस गतिविधि को अन्य केंद्रों में भी विस्तारित करने की उम्मीद कर रहा है।

टीएमजी ने बैंक में लिबोर पारगमन गतिविधियों का समन्वय किया है। आपके बैंक ने यूएसडी लिबोर के अलावा एआरआर में पारगमन के लिए 31 दिसंबर 2021 की ट्रांजिशन टाइमलाइन को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। सभी घरेलू शाखाएं और साथ ही विदेशी कार्यालय एआरआर से जुड़े उत्पादों को प्रस्तुत करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं तथा 01 जनवरी 2022 से एआरआर से जुड़े उत्पादों की पेशकश शुरू कर दी है।

वैश्विक भुगतान और सेवाएं वैश्विक भुगतान और सेवाएं अन्तर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह (आईबीजी) के तहत एक इकाई ग्लोबल पेमेंट्स एंड सर्विसेज (जीपी एंड एस) में तीन शाखाएं/कार्यालय शामिल हैं, जैसे ग्लोबल लिंक सर्विसेज (जीएलएस), अन्तर्राष्ट्रीय सेवा शाखा मुंबई (आईएसबीएस), और अन्तर्राष्ट्रीय सेवा शाखा एर्नाकुलम (आईएसबीई)। यह विदेशों से भारत के लिए ऑनलाइन आवक प्रेषण, विदेशी मुद्रा चेक संग्रह, वोस्ट्रो खाते खोलने और रखरखाव, एशियाई समाशोधन संघ (एसीयू) लेनदेन और विदेशी आर्थिक मामलों के बैंक (बीएफईए) सोवियत संघ के लेनदेन की सुविधा प्रदान करता है। वर्ष की मुख्य विशेषताएं हैं:

- विदेशों से भारत में आने वाले रूप के प्रेषण को चैनलाइज करने के लिए 45 एक्सचेंज कंपनियों और पांच बैंकों के साथ टाई-अप।
- वित्त वर्ष 2022 के दौरान, घरेलू शाखाओं की ओर से जीपीएंडएस ने 55,467 निर्यात बिल (यूएसडी और यूरो में) और 16,500 विदेशी मुद्रा चेक संग्रह को मिलाकर कुल 14.98 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक का कारोबार किया।
- इसी अवधि के दौरान, जीपीएंडएस ने विभिन्न वैश्विक केंद्रों से प्राप्त 6.693 बिलियन अमेरिकी डॉलर की राशि के 9.666 मिलियन ऑनलाइन आवक प्रेषण लेनदेन को संसाधित किए।
- विभिन्न संपर्ककर्ता बैंकों/विनिमय कंपनियों/एसबीआई विदेशी कार्यालयों के लिए 164 वोस्ट्रो खाते बनाए गए हैं।
- एसबीआई के लिए एसीयू/बीएफईए लेनदेन को संभालने के लिए अखिल भारतीय नोडल कार्यालय है।

खुदरा कार्यनीति: आपका बैंक अपने विशिष्ट खुदरा और प्रेषण उत्पादों के माध्यम से दुनिया के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले एनआरआई के लिए "भारत के लिए खिड़की" रहा है। इस वर्ष की उल्लेखनीय उपलब्धियां हैं:

योनो एसबीआई, बैंक की सबसे महत्वाकांक्षी और सुरक्षित डिजिटल उत्पादों में से एक है जो अब हमारे विदेशी कार्यालयों में ग्राहकों के लिए उपलब्ध करायी गई है। इसे यूके, कनाडा, मॉरीशस, नेपाल, मालदीव, बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और बहरीन में सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया है, जिसमें यूके और कनाडा में बगैर उपस्थिति के खाता खोलने की सुविधा है। हम वित्त वर्ष 2023 के दौरान सिंगापुर और यूएसए में एसबीआई योनो को लॉन्च करने की योजना बना रहे हैं। योनो के माध्यम से 83,000 से अधिक विदेशी ग्राहकों को जोड़ा गया है।

योनो एसबीआई यूके का "नमस्ते यूके" उत्पाद लॉन्च किया गया है, जो संभावित भारतीय प्रवासियों को यूके में उतरने से पहले ही, भारत से ही एसबीआई यूके के साथ खाता खोलने में सक्षम बनाता है। कनाडा के विश्वविद्यालयों में दाखिला लेने वाले भारतीय छात्रों के लिए छात्र जीआईसी खातों के लिए कनाडा में भी इसी तरह का उत्पाद लॉन्च किया गया है। हम आने वाले महीनों में सिंगापुर में भी इसी तरह का उत्पाद लॉन्च करने की योजना बना रहे हैं।

योनो ग्लोबल की "वन व्यू" सुविधा हमारे विदेशी कार्यालयों के ग्राहकों को योनो ग्लोबल ऐप के माध्यम से अपने घरेलू एसबीआई खातों को देखने की अनुमति देती है, व्यावहारिक रूप से घरेलू योनो एसबीआई की सभी पृष्ठताछ सुविधाओं को हमारे वैश्विक संस्करण के साथ मिलाती है। 3900 से अधिक एसबीआई विदेश कार्यालय के ग्राहक पहले से ही इस सुविधा का उपयोग कर रहे हैं।

वित्तीय संस्थान समूह - संपर्की संबंध यह समूह अंतरराष्ट्रीय हितधारकों जैसे वित्तीय संस्थान (एफआई), विदेशी सरकार एजेंसियां और विकासात्मक वित्तीय संस्थान (डीएफआई), आदि के साथ बैंक के जुड़ाव की सुविधा प्रदान करता है और आईबीजी और अन्य व्यावसायिक कार्यक्षेत्र जैसे कॉर्पोरेट खाता समूह, वाणिज्यिक ग्राहक समूह, खुदरा बैंकिंग समूह और वैश्विक बाजारों के बीच तालमेल की सुविधा प्रदान करते हैं।

एफआईजी 56 देशों में 224 बैंकों के नेटवर्क के साथ संपर्की बैंकिंग संबंधों को बनाए रखने और समीक्षा करने में एक धुरी के रूप में कार्य करता है। यह घरेलू और विदेशी दोनों कार्यालयों द्वारा स्थापित आरएमए (रिलेशनशिप मैनेजमेंट एप्लीकेशन) को भी बनाए रखता है, बैंक के पास अब तक 116 देशों में 845 बैंकों के साथ 4255 आरएमए हैं।

एफआईजी अपने एफआई सीआरएम (वित्तीय संस्थान - ग्राहक संबंध प्रबंधन) एप्लिकेशन के माध्यम से डेटा आधारित दृष्टिकोण अपनाता है, जो हमारे सहयोगी बैंकों के साथ जुड़ाव का 360-डिग्री दृश्य प्रदान करता है।

एफआईजी 30 देशों में हमारे अपने नेटवर्क द्वारा पेश की जाने वाली व्यापक उपस्थिति और उत्पाद क्षमताओं का उपयोग करके सभी भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र के बैंकों के लिए एसबीआई को पसंदीदा वैश्विक बैंकर बनाने का प्रयास करता है।

एफआईजी सीमा पार व्यापार वित्त, सिंडीकेटेड ऋण, ट्रेजरी और विदेशी मुद्रा समाधान और अन्य लेनदेन बैंकिंग गतिविधियों के क्षेत्रों में व्यापार विकास के लिए घरेलू और विदेशी वित्तीय संस्थानों के साथ संबंधों का लाभ उठाता है।

आपसी संबंध मूल्य को बैंक की निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल किया जाता है जिसमें संसाधन जुटाना, नए नोस्ट्रो/वोस्ट्रो खाते खोलना और बैंकों के साथ रणनीतिक गठजोड़ व्यवस्था आदि शामिल हैं।

अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग-घरेलू आपका बैंक घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संचालित एक व्यापक शाखा नेटवर्क के माध्यम से निर्यातकों और आयातकों को उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित है।

अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग-घरेलू (आईबीडी) व्यापार वित्त और अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग से संबंधित क्षेत्रों में घरेलू कार्यालयों और विदेशी कार्यालयों के बीच संपर्क के एकल बिंदु के रूप में कार्य करता है। आईबीडी का उद्देश्य घरेलू कार्यालयों और विदेशी कार्यालयों/संवाददाता बैंकों और व्यापारिक समुदाय के बीच एक मजबूत कड़ी के रूप में कार्य करके उनके बीच तालमेल और व्यापार प्रवाह में सुधार करना है।

आईबीडी शाखाओं, व्यापार निकायों और अन्य हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से शामिल होकर निर्यात ऋण के विकास की सुविधा प्रदान करता है। परिणामस्वरूप, बैंक के निर्यात ऋण पोर्टफोलियो (बकाया ऋण) में 31 मार्च (वर्ष-दर-वर्ष) की स्थिति के अनुसार 32.98% की वृद्धि देखी गई।

व्यापार समुदाय को सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आईबीडी द्वारा हर साल विदेशी मुद्रा सेवा शुल्कों को तर्कसंगत और बाजार के साथ समायोजित किया जा रहा है। आईबीडी एक्जिम एंटरप्राइज/स्विफ्ट में सिस्टम से संबंधित संवर्धन और अपडेट की सुविधा भी प्रदान करता है।

प्रसंस्करण के लिए केंद्रीकृत समन्वय सेल विदेशी बैंक गारंटी (सीसीसी-एफबीजी) आवक और जावक विदेशी बैंक गारंटी के विशेष रूप से आईबी-घरेलू के तत्वावधान में स्थापित किया गया है ताकि संवाददाता बैंकों/विदेशी कार्यालयों/घरेलू बैंकों/ घरेलू कार्यालयों को उनके काउंटर गारंटियों के आधार पर घरेलू/विदेशी बैंक गारंटी की मांग करने के लिए एक ही स्थान पर समाधान प्रदान किया जा सके।

आईबीडी पूरे बैंक में फेमा अनुपालन में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विभाग फेमा/आरबीआई दिशानिर्देशों में संशोधन के संबंध में निर्देश जारी करने के अलावा आरबीआई/फेमा से संबंधित रिटर्न समय पर प्रस्तुत करना सुनिश्चित करता है।

विदेशी कार्यालयों में प्रौद्योगिकी पहल: आपका बैंक प्रक्रियाओं को स्वचालित करने, ग्राहक अनुभव को बढ़ाने और जोखिम का प्रबंधन करने के लिए प्रौद्योगिकी समाधानों का लाभ उठा रहा है। आपका बैंक सभी भौगोलिक क्षेत्रों में हमारे ग्राहकों को ओमनी-चैनल अनुभव प्रदान करने के लिए लगातार डिजिटल चैनलों का लाभ उठा रहा है। योनो ग्लोबल ऐप खुदरा ग्राहकों को बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रमुख आधार के रूप में उभरा है। बैंकिंग सेवाओं तक पहुंचने के लिए ऐप का उपयोग करने वाले लगभग 50% ग्राहक आधार के साथ यह प्लेटफॉर्म ऑनलाइन खाता खोलने, क्यूआर कोड के माध्यम से वास्तविक समय में भुगतान, बिल भुगतान आदि जैसी उन्नत सुविधाओं के साथ विकसित हुआ है।

आपके बैंक ने नवीनतम सुविधाओं और उद्योग मानकों के अनुरूप अपने ई-बैंकिंग वेब प्लेटफॉर्म के पूर्ण सुधार की शुरुआत की है। यह वर्ष के दौरान 6 भौगोलिक क्षेत्रों में पूरा किया गया है। बढ़ी हुई दक्षता के साथ-साथ लागत बचत के दोहरे उद्देश्यों को प्राप्त करने के उद्देश्य से, बैंक-ऑफिस प्रक्रियाओं के समेकन ने अब 2 और भौगोलिक क्षेत्रों अर्थात कनाडा और सिंगापुर (यूके और बहरीन के अलावा) से नौकरियों के स्थानांतरण के साथ गति प्राप्त की है। आपके बैंक ने सुनिश्चित किया है कि उद्योग मानकों के अनुसार आंतरिक सेवा स्तर के समझौतों में प्रवेश करके इन सेवाओं के लिए डेटा गोपनीयता और उचित प्रशासन सहित सभी अनुपालन पहलुओं को सुनिश्चित करे।

अनुपालन को सर्वोच्च वरीयता देते हुए, आपके बैंक ने सभी भौगोलिक क्षेत्रों में निर्धारित समय सीमा के अनुसार नियामक निर्धारित आईटी विकास को आरंभ किया है। इनमें बहरीन में कार्ड टोकन और ऑनलाइन धनवापसी के कार्य शामिल हैं। अन्य विकासों में डेटा साझाकरण के लिए ऑनलाइन ग्राहक सहमति पंजीकरण तथा एएमएल-सीएफटी नियंत्रणों के लिए गो-एएमएल रिपोर्टिंग शामिल हैं।



अध्यक्ष श्री दिनेश कुमार खारा का यूएई एक्सपो 2020 के दौरान दुबई दौरा



श्री अश्विनी कुमार तिवारी (एमडी-आईबी, टीएंडएस) और श्री संजय डी नाइक (डीएमडी, आईबीजी) एसबीआई के सबसे पुराने विदेशी परिचालन कोलंबो शाखा में अपनी यात्रा के दौरान।



अध्यक्ष श्री दिनेश कुमार खारा तथा श्री अश्विनी कुमार तिवारी (एमडी - आईबी, टी एंड एस) और श्री संजय डी नाइक (डीएमडी, आईबीजी) और गणमान्य व्यक्ति एल्डरमैन विसेंट केवेनी, लंदन शहर के लॉर्ड मेयर 2021-22 और जूलिया हॉगट, सीईओ, लंदन स्टॉक एक्सचेंज पीएलसी द्वारा एसबीआई लंदन के शताब्दी समारोह की पूर्व संध्या पर एलएसई बाजार का उद्घाटन।

आपके बैंक ने वर्ष के दौरान अपने विदेशी कार्यालयों/सहायक कंपनियों में एक अत्याधुनिक केंद्रीय प्रावधानित रिपोर्टिंग प्रणाली के माध्यम से नियामक रिपोर्टिंग का स्वचालन शुरू किया है और वित्तीय वर्ष 23 तक रोल-आउट पूरा करने की योजना है। आपके बैंक ने सिंगापुर में रीयल-टाइम तत्काल भुगतान प्रणाली, अर्थात् जी 3-फास्ट (FAST) के साथ ऑनलाइन एकीकरण पूरा कर लिया है। यह रीयल-टाइम के आधार पर (24x7x365) भुगतान प्रसंस्करण को सक्षम करेगा, निपटान जोखिम को कम करते हुए नवीन और व्यावसायिक रूप से आकर्षक उत्पादों को वितरित करने की क्षमता को अधिकतम करेगा।

7. वाणिज्यिक ग्राहक समूह (सीसीजी)

वाणिज्यिक ग्राहक

सीसीजी वर्टिकल मध्यम और बड़े कॉर्पोरेट ग्राहकों की 50 करोड़ रुपए से अधिक के वित्त पोषण आवश्यकताओं को पूरा करता है। सीसीजी की देश भर में 51 शाखाएं फैली हुई हैं, जिनमें महाप्रबंधक की अध्यक्षता वाली 3 प्रत्यक्ष शाखाएं शामिल हैं। वर्टिकल में हीरा, सिरैमिक और पूंजी बाजार जैसे विशिष्ट उद्योगों को सेवा देने वाली विशेष शाखाएं भी शामिल हैं। इस वर्टिकल का मुख्य कार्य कॉर्पोरेट ग्राहकों की संपूर्ण जरूरतों को पूरा करना, संबंधित जोखिमों का प्रबंधन करना और विकास की गति बनाए रखना है।

सीसीजी वर्टिकल का नेतृत्व उप प्रबंध निदेशक के द्वारा प्रबंध निदेशक (सीबी एवं जीबी) के संरक्षण में किया जाता है। इसके पोर्टफोलियो का प्रबंधन 5 मुख्य महाप्रबंधकों के द्वारा किया जाता है (1 मुख्य महाप्रबंधक परियोजना वित्त सहित) और 1 मुख्य महाप्रबंधक परिचालन का

कार्यभार देखते हैं। सीसीजी में मुख्य महाप्रबंधक को कवरेज की गुणवत्ता में सुधार करने और पूरे समूह में जोखिम और आय के एक एकीकृत दृष्टिकोण से समन्वय के लिए समूह प्रबंधन का कार्यभार सौंपा गया है। सीसीजी का व्यवसाय मॉडल भी संबंध प्रबंधक के नेतृत्व में प्रत्येक रिलेशनशिप टीम के साथ संबंध प्रबंधन अवधारणा पर आधारित है और कुशल क्रेडिट विश्लेषकों और ऑपरेटिंग कार्यकर्ताओं द्वारा समर्थित है। इसलिए संबंध टीम ग्राहक की संपूर्ण आवश्यकताओं को संभालने में सक्षम है और विभिन्न एसबीयू में उपलब्ध कुशल प्रबंधकों का इस कार्य में उपयोग करती है जिससे ग्राहक की आवश्यकताओं का संपूर्ण समाधान किया जा सके। सीसीजी ने 7 जून, 2019 के आरबीआई के दिशानिर्देशों के तहत और 200 करोड़ रुपए से अधिक के जोखिम वाले ग्राहकों के लिए अनुमोदित समाधान योजना की निगरानी तथा महामारी के कारण समाधान की आवश्यकता वाले ग्राहकों की विशेष आवश्यकताओं को संभालने के लिए केंद्रीकृत समाधान टीम का भी गठन किया है। समय पर और व्यापक हस्तक्षेप समाधान के लिए सबसे महत्वपूर्ण पहलू है।

वर्ष के दौरान निर्यात ऋण वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए कुछ प्रमुख पहल इस प्रकार हैं:

टी-बिल दर का रुपया निर्यात ऋण में विस्तार: बाहरी बेंचमार्क (टी-बिल दर) से जुड़ी ब्याज दरों को डब्ल्यूसीएल और एलसी बिल डिस्काउंटिंग सुविधाओं तक बढ़ाया जाता है ताकि टॉप-रेटर्ड उधारकर्ताओं को उपयोग की सीमा बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। वर्तमान प्रतिस्पर्धी बाजार को ध्यान में रखते हुए, ब्याज दरों से जुड़ी टी-बिल दर को भी रुपया निर्यात पैकिंग क्रेडिट सुविधाओं तक बढ़ा दिया गया है।

निर्यातकों की बैठक: एसबीआई द्वारा दी जाने वाली बैंकिंग सुविधाओं के बारे में निर्यातकों की जागरूकता बढ़ाने के लिए भारत भर में विभिन्न निर्यातकों की बैठकें आयोजित की जा रही हैं।

ट्रेक्स (TRRACS) सॉफ्टवेयर: आपके बैंक ने ट्रेड रेगुलेटरी रिपोर्टिंग एंड कंप्लायंस सॉल्यूशन (टीआरआरएसीएस) सॉफ्टवेयर प्रस्तुत किया है, जिससे समय के साथ लंबित ईडीपीएमएस/आईआरएम/निर्यात अग्रिम की प्रविष्टियों में कमी आई है और हम इन प्रविष्टियों को हटाने में काफी हद तक सफल हुए हैं।

इन पहलों के अलावा डिजिटल इंटरफेस ऑन प्राइसिंग एंड नॉलेज (DIPAK), एक मूल्य निर्धारण उपकरण, हमारे कॉर्पोरेट ऋणों के डेटा-संचालित मूल्य निर्धारण को मजबूत करने के लिए संचालन अधिकारियों और मंजूरी समितियों को उपलब्ध कराया गया है। यह सीसीजी की सभी शाखाओं में सक्रिय रूप से उपयोग किया गया है।

परियोजना वित्त एसबीयू को संरचित काना

आपके बैंक की विशेष व्यावसायिक इकाई जिसे परियोजना वित्त एवं संरचना कार्यनीति व्यवसाय इकाई (पीएफ एंड एस एसबीयू) के रूप में जाना जाता है, बुनियादी ढांचे और अन्य क्षेत्रों जैसे बिजली, सड़क, बंदरगाह, रेलवे, हवाई अड्डे, रिफाइनरी में बड़ी परियोजनाओं के लिए धन के मूल्यांकन और व्यवस्था से संबंधित है। इसमें अन्य गैर-बुनियादी ढांचा परियोजनाओं जैसे कि धातु, उर्वरक, सीमेंट, तेल और गैस, कांच आदि को भी न्यूनतम परियोजना लागत पर निश्चित सीमा के साथ शामिल किया गया है। पीएफ एंड एस एसबीयू अन्य वर्टिकल को उनके बड़े टिकट मीयादी ऋण प्रस्तावों की जांच में भी सहायता प्रदान करता है। बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण के लिए नीति और नियामक ढांचे को मजबूत करने